पेड़ पकडने चढ म्हारा बीरा रे भजन लिरिक्स

पेड़ पकडने चढ म्हारा बीरा ओ,
पेड पकडने चढ म्हारा बीरा ओ,
जमको ने तू मती झेले ए,
सत्य वचन री डोर पकड़ ले,
सत्य वचन री डोर पकड़ ले,
अदर सिंहासन मेले ओ,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए,
ओ थाने मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए।bd।

कोयल वाणी बोल म्हारा बीरा रे,
कोयल वाणी बोल म्हारा बीरा रे,
कागा री बोली ने हेठी मेळे ए,
कोयल जाय बागो रे माई बोले,
कोयल जाय बागो रे माई बोले,
कागो तो घर घर डोले ओ,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए,
ओ थाने मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए।bd।

अरे हंसा री चाल चाल म्हारा बीरा रे,
हंसा री चाल चाल म्हारा बीरा रे,
बुगला री चाली हेठी मेळे,
हंसो तो जाय चुगे निज मोती,
हंसो तो जाय चुगे निज मोती,
बुगलो तो माछली ने झेले रे,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए,
ओ थाने मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए।bd।

सिमरत म्हाने पूरा मिलीया,
सिमरत म्हाने पूरा मिलीया,
प्रेम प्यालो वो पिले,
मगलो तो सतगुरु ने झेले,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मंगलो तो सतगुरु जी रे शरणे,
अमरापुर मे डोले ओ,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए,
ओ थाने मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए।bd।

पेड़ पकडने चढ म्हारा बीरा ओ,
पेड पकडने चढ म्हारा बीरा ओ,
जमको ने तू मती झेले ए,
सत्य वचन री डोर पकड़ ले,
सत्य वचन री डोर पकड़ ले,
अदर सिंहासन मेले ओ,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए,
ओ थाने मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई मार्ग में कोई नहीं झेले रे,
साधु भई चलीयो आवेनी गेले गेले ए।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com